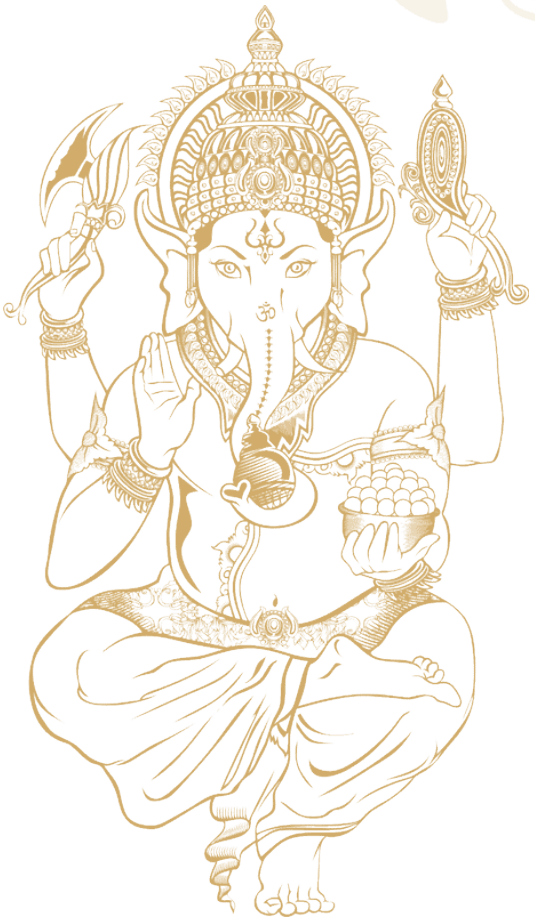

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120472502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/02/1997	जन्म तिथि	18/03/1998
रविवार	दिन	बुधवार
घंटे 10:45:00	जन्म समय	07:01:00 घंटे
घटी 09:32:55	जन्म समय(घटी)	01:27:06 घटी
India	देश	India
Mathura	स्थान	Hathras
27:30:00 उत्तर	अक्षांश	27:36:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	78:02:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:17:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:55:49	सूर्योदय	06:24:50
18:11:05	सूर्यास्त	18:27:40
23:49:02	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:49

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 5वर्ष 11मा 1दि	19:53:07	मेष	लग्न	मीन	14:53:13	गुरु 8वर्ष 4मा 1दि
गुरु	03:45:39	कुंभ	सूर्य	मीन	03:25:10	बुध
18/01/2021	25:23:20	वृष	चंद्र	तुला	26:23:08	19/07/2025
18/01/2037	11:26:30	कन्या व	मंगल	मीन	16:29:28	19/07/2042
गुरु 08/03/2023	16:35:56	मक	बुध	मीन	21:36:58	बुध 15/12/2027
शनि 19/09/2025	12:08:08	मक	गुरु	कुंभ	16:07:44	केतु 12/12/2028
बुध 25/12/2027	22:29:49	मक	शुक्र	मक	17:20:15	शुक्र 12/10/2031
केतु 30/11/2028	11:19:14	मीन	शनि	मीन	26:13:29	सूर्य 18/08/2032
शुक्र 01/08/2031	05:24:55	कन्या व	राहु व	सिंह	16:35:49	चन्द्र 17/01/2034
सूर्य 20/05/2032	05:24:55	मीन व	केतु व	कुंभ	16:35:49	मंगल 15/01/2035
चन्द्र 19/09/2033	12:06:54	मक	हर्ष	मक	17:28:16	राहु 03/08/2037
मंगल 25/08/2034	04:43:19	मक	नेप	मक	07:43:46	गुरु 09/11/2039
राहु 18/01/2037	11:39:51	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	14:13:11	शनि 19/07/2042

लग्न-चलित

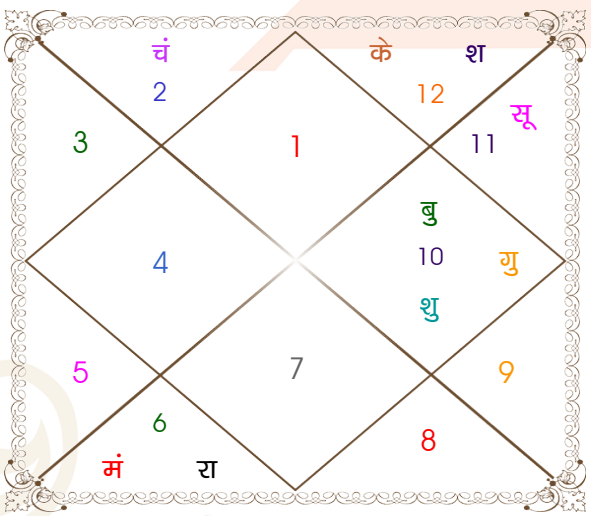

लग्न-चलित

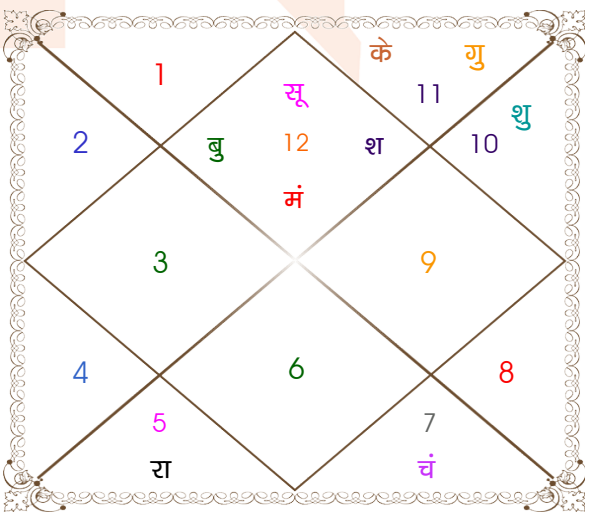

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।